विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 28 नवंबर 2020

वर्ग -सप्तम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित ।

सुभाषितानि

काव्यशास्त्र विनोदेन, कालो गच्छति धीमताम् ।

व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा ।।

बुद्धिमानी का समय का समय शास्त्र के चर्चा में व्यतीत होता है मूर्ख लोगों का समय बुरी आदतों, में निंदा में , झगड़ा में व्यतीत होता है।

अधमा धनमिच्छन्ति ,धनमानौ च मध्यमाः ।

उत्तमाः मानमिच्छन्ति, मानो ही महतां धनम् ।।

नीच लोग थन की इच्छा करते हैं, मध्यम लोग धन और मान चाहते हैं।

उत्तम लोग मान की इच्छा करते हैं, मान ही महापुरुषों का धन है।।

अष्टादश पुराणेषु व्यासस्य वचन द्यम् ।

परोपकारः पुण्याय पापाय परपीडनम् ।

18 पुराणों में व्यास के 2 वचन है परोपकार से पुण्य की प्राप्ति होती है दूसरों को सताना बाप के समान होता है ।